Series S3QRP/3

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/3/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

*(iii) **खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*(iv) **खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

(vi) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

चलते चलो, चलते चलो
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो !
तम के जो बंदी थे
सूरज ने मुक्त किए
किरनों से गगन पोंछ
धरती को रँग दिए,
सूरज को विजय मिली, ऋतुओं की रात हुई
कह दो इन तारों से चंदा के संग-संग चलते चलो !

रत्नमयी वसुधा पर
चलने को चरण दिए
बैठी उस क्षितिज पार
लक्ष्मी शृंगार किए
आज तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हें दास कहे
स्वामी तुम ऋतुओं के, संवत् के संग-संग चलते चलो !

नदियों ने चलकर ही
सागर का रूप लिया
मेघों ने चलकर ही
धरती को गर्भ दिया
रुकने का मरण नाम, पीछे सब प्रस्तर है ।
आगे है देवयान, युग के ही संग-संग चलते चलो !

मानव जिस ओर गया
नगर बसे, तीर्थ बने
तुमसे है कौन बड़ा
गगन-सिंधु मित्र बने
भूमा का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलते चलो !

(i) 'तम के बंदी' किन्हें कहा गया है ?

(A) पृथ्वी के जीव-जंतुओं को

(B) आकाश के चाँद-तारों को

(C) रात्रि में विचरण करने वाले जंतुओं को

(D) आकाश में पाए जाने वाले नक्षत्रों को

(ii) 'किरणों से गगन पोंछने' का अभिप्राय है :

(A) सूर्य की किरणों द्वारा आकाश की कालिमा को दूर करना

(B) चाँद-तारों की उपस्थिति को हटाना

(C) रात्रि की भयावहता को दूर हटाना

(D) सूर्य द्वारा अपना स्वर्णिम प्रकाश आकाश में फैला कालिमा को दूर करना

(iii) कवि ने चलते चलो का संदेश किसे दिया है ?

(A) सागर से मिलने जाने वाली नदियों को

(B) चंद्रमा के साथ-साथ चलने वाले तारों को

(C) जीवन रूपी मार्ग पर बढ़ने वाले यात्री को

(D) आकाश का कोना-कोना नापने वाले मेघों को

(iv) वसुधा को रत्नमयी कहने का आधार है :

(A) अनेक बहुमूल्य रत्नों को धारण करना

(B) विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं को धारण करना

(C) जीवनदायी जल को धारण करना

(D) जीवनदायी भोग्य-पदार्थों को धारण करना

(v) 'मेघों ने चलकर ही धरती को गर्भ दिया' – पंक्ति का भाव है कि मेघों ने ही धरती को :

(A) जलयुक्त किया (B) जीवन प्रदान किया

(C) फलवती किया (D) रत्नमयी किया

(vi) निम्नलिखित में से किस पंक्ति में मनुष्य के सामर्थ्य का उल्लेख हुआ है ?

(A) आज तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हे दास कहे

(B) तुमसे है कौन बड़ा, गगन-सिंधु मित्र बने

(C) भूमा का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो

(D) सूरज को विजय मिली, ऋतुओं की रात हुई

(vii) 'मानव जिस ओर गया, नगर बसे, तीर्थ बने' — पंक्ति मनुष्य की किस विशेषता की ओर संकेत करती है ?

(A) कला प्रियता

(B) सौंदर्य बोध

(C) धार्मिक आस्था

(D) रचनात्मकता

(viii) 'त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलते चलो !' पंक्ति में 'जीर्ण वसन' से आशय है :

(A) पुराने वस्त्र

(B) फटे वस्त्र

(C) रूढ़िवादी रीतिरिवाज

(D) पारंपरिक रीतिरिवाज

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

विश्व की आबादी बढ़ने के साथ ही कृषि योग्य भूमि की कमी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है । ऐसे में लोगों को कृषि के संदर्भ में अधिक रचनात्मकता और कुशलता अर्जित करने की आवश्यकता है । इसके तहत कम भूमि के उपयोग से ही फ़सल की उपज और उत्पादकता को बढ़ाने पर विशेष जोर देना होगा । कृषि सुधार के कई बड़े प्रयासों के बावजूद यह क्षेत्र आज भी अनेक समस्याओं से जूझ रहा है । इस संदर्भ में जलवायु परिवर्तन और खाद्य असुरक्षा जैसी समस्याओं के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक हो सकती है । कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसी कंप्यूटर या मशीन द्वारा मानव मस्तिष्क के सामर्थ्य की नकल करने की क्षमता है ।

भारत में मृदा के प्रकार, जलवायु और स्थलाकृति विविधता के कारण यहाँ से प्राप्त डेटा कृषि के लिए अत्याधुनिक ए.आई. उपकरण तथा अन्य कृषि समाधान विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा । कृषि के विभिन्न घटकों में प्रतिदिन सैकड़ों और हजारों प्रकार के डेटा (जैसे मृदा, उर्वरकों की प्रभाविकता आदि) उपलब्ध होते हैं । ए.आई. की मदद से किसान मौसम, तापमान, पानी के उपयोग या अपने खेत की मिट्टी का विश्लेषण कर, समस्याओं को पहचानकर बेहतर निर्णय ले सकेंगे । ए.आई. सेंसर खरपतवारों की पहचान कर सकते हैं और फिर उनकी पहचान के आधार पर उपयुक्त खरपतवारनाशक का चुनाव कर सटीक मात्रा में खरपतवारनाशक का छिड़काव कर सकते हैं । जिससे कृषि क्षेत्र में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक विषाक्त पदार्थों के अनावश्यक प्रयोग को सीमित करने में सहायता मिलती है ।

कृषि आय में गिरावट के कारण इस क्षेत्र को श्रमिकों द्वारा बहुत कम प्राथमिकता दी जाती है । श्रमिकों की इस कमी को दूर करने में ए.आई. कृषि बॉट्स एक उपयुक्त समाधान हो सकते हैं । किसानों द्वारा कृषि से जुड़े परामर्श के लिए ए.आई. की सहायता ली जा रही है ।

हाल ही में कृषि क्षेत्र में हुए बड़े सुधारों के परिणामस्वरूप भविष्य में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रसार की भी संभावनाएँ हैं । इन प्रयासों के माध्यम से कृषि में ए.आई. को अपनाए जाने की पहलों को बढ़ावा मिलेगा ।

(i) इस गद्यांश का वर्ण्य विषय है :

(A) कृषि क्षेत्र में बढ़ती संभावनाएँ

(B) कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याएँ

(C) कृत्रिम बुद्धिमत्ता : एक वरदान

(D) कृषि क्षेत्र और कृत्रिम बौद्धिकता

(ii) गद्यांश के आधार पर विश्व की बढ़ती आबादी चिंता का विषय क्यों है ?

(A) कृषि योग्य भूमि की कमी के कारण

(B) प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण

(C) पर्यावरण को क्षति पहुँचने के कारण

(D) प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण

(iii) विश्व की बढ़ती आबादी को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक है :

(A) कम लागत वाली फ़सलों का उत्पादन बढ़ाना

(B) कृषि क्षेत्र में श्रम-बल को बढ़ावा देना

(C) कृषि क्षेत्र में अधिक रचनात्मकता और कुशलता अर्जित करना

(D) मृदा की उर्वरता को बढ़ाने के लिए उर्वरकों का प्रयोग करना

(iv) मृदा की उर्वरता का अर्थ है :

(A) मिट्टी की नमी (B) मिट्टी की सतह

(C) मिट्टी की विभिन्नता (D) मिट्टी का उपजाऊपन

(v) भारतीय कृषि, कृषि वैज्ञानिकों के लिए कृषि समाधान संबंधी ए.आई. उपकरण विकसित करने में सहायक क्यों है ?

(A) कृषि प्रधान देश होने के कारण

(B) कृषि संबंधी विशाल संसाधनों के कारण

(C) जलवायु की विविधता के कारण

(D) भौगोलिक विविधता के कारण

(vi) निम्नलिखित में से कृषि संबंधी घटक ***नहीं*** है :

(A) मृदा (B) उर्वरक

(C) कीटनाशक (D) फल-सब्ज़ियाँ

(vii) गद्यांश के आधार पर कृषि क्षेत्र में अधिक सटीकता लाने के लिए आवश्यक है :

(A) सिंचाई के लिए उत्तम साधनों का प्रबंध

(B) कृषि क्षेत्र में ए.आई. तकनीक का प्रयोग

(C) खेती के अत्याधुनिक उपकरणों का प्रयोग

(D) मौसम का सटीक अनुमान लगाने वाली तकनीक का प्रयोग

(viii) कृषि क्षेत्र में कार्य बल की कमी क्यों है ?

(A) कृषि क्षेत्र में होने वाली कम आय के कारण

(B) कृषि क्षेत्र में लगने वाले कठोर श्रम के कारण

(C) युवकों का शहरों की ओर पलायन के कारण

(D) सफ़ेदपोश नौकरी के मोह के कारण

(ix) गद्यांश के आधार पर कृषि क्षेत्र में उपस्थित कार्यबल की समस्या को दूर किया जा सकता है :

(A) कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त कृषि बॉट्स की मदद से

(B) गाँव में रोज़गार के साधन उपलब्ध कराकर

(C) शहरों के समान गाँवों को सुविधा संपन्न बनाकर

(D) कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को सुविधाएँ देकर

(x) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(I) कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग कर उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है ।

(II) खरपतवार मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ।

(III) कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग हानिकारक है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

विकल्प :

(A) केवल कथन (I) सही है ।

(B) केवल कथन (II) सही है ।

(C) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(D) कथन (I) और (III) सही हैं ।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में 'आशा से ज्यादा दीर्घजीवी और कोई वस्तु नहीं होती' – यह कथन किस संदर्भ में कहा गया है ?

(A) सूरदास के मन में राख के ढेर में पैसों की पोटली दबी होने के

(B) सुभागी द्वारा भैरों के पास से सूरदास के पैसे वापस ले आने के

(C) सूरदास द्वारा नए सिरे से झोपड़ी बनाने के

(D) सूरदास द्वारा पुनः पैसे एकत्रित करने के

(ii) 'उसने तो भीख माँगकर ही जमा किए हैं, गेहूँ तो नहीं तौला था ।' – इस कथन का आशय है :

(A) गेहूँ बेचकर पैसे नहीं कमाए थे ।

(B) खेतों में गेहूँ उगाकर पैसे नहीं कमाए थे ।

(C) पैसे कमाने के लिए गेहूँ नहीं तोला था ।

(D) पैसे कमाने के लिए परिश्रम नहीं किया था ।

(iii) 'दमड़ी छदाम-कौड़ियों के लिए टेनी मारता हूँ' – इस कथन में 'टेनी मारना' का अर्थ है :

(A) बेईमानी करना

(B) कम तौलना

(C) झूठ बोलना

(D) मेहनत करना

(iv) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में बिसनाथ पर किस अत्याचार के होने की बात कही गई है ?

(A) वे दूध कटहा हो गए थे ।

(B) उन्हें दाई के साथ सोना पड़ रहा था ।

(C) उन्हें कथरी पर लेटना पड़ता था ।

(D) उन्हें माँ के प्रेम से वंचित होना पड़ता था ।

(v) अंडज पक्षियों को किस सुख से वंचित रहना पड़ता है ?

(A) माँ की सुरक्षा से

(B) माँ की ममता से

(C) माँ के पालन-पोषण से

(D) माँ द्वारा कराए गए दुग्ध-पान से

(vi) 'खूब मनाओ दसेरा-दिवाली । अबकी मालवा खूब पाक्यो है ।' – इस कथन का अर्थ है :

(A) मालवा में खूब वर्षा होने से हर दिन त्योहार है ।

(B) मालवा में खूब वर्षा होने से खूब फ़सल होगी ।

(C) मालवा में संपन्नता होने से त्योहार अच्छे से मनाओ ।

(D) भरपूर फ़सल होने से त्योहार खुशी से मनाओ ।

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : ये सदानीरा नदियाँ अब मालवा के गालों के आँसू भी नहीं बहा सकती ।

कारण : ये नदियाँ सड़े नालों में बदल गईं हैं ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन सही है किंतु कारण ग़लत है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) आपके क्षेत्र में जल भराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है । आए दिन लोगों को इसके कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । इस समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान दिलाने के लिए आप समाचार-पत्र के किस शीर्षक के अंतर्गत छपने के लिए लेख भेजेंगे ?

(A) संपादक के नाम पत्र

(B) संपादकीय लेखन

(C) स्तंभ लेखन

(D) आलेख लेखन

(ii) निम्नलिखित शब्द-युग्मों को सुमेलित कीजिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	एल.बी.डब्ल्यू.	(i)	क्रिकेट
2.	सेंसेक्स	(ii)	हॉकी
3.	बिकवाली	(iii)	शेयर बाज़ार
4.	कॉर्नर	(iv)	व्यापार जगत

विकल्प :

(A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

(B) 1-(iii), 2-(ii), 3-(iv), 4-(i)

(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii)

(D) 1-(iv), 2-(ii), 3-(i), 4-(iii)

(iii) निम्नलिखित में किस तरह के लेखन में लेखक को काफी छूट होती है ?

(A) समाचार लेखन में

(B) संपादकीय लेखन में

(C) पत्रकारीय लेखन में

(D) साहित्यिक लेखन में

(iv) प्रकाशन के लिए जाने वाली सामग्री से ग़लतियों और अशुद्धियों को हटाकर उसे प्रकाशन योग्य बनाने की जिम्मेदारी होती है :

(A) पत्रकार

(B) उप-संपादक

(C) विशेष संवाददाता

(D) संपादक और उसकी टीम

(v) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है :

(A) समाचार-पत्र/पत्रिका

(B) रेडियो

(C) टेलीविज़न

(D) फ़िल्में

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इस शहर में वसंत
अचानक आता है
और जब आता है तो मैंने देखा है
लहरतारा या मडुवाडीह की तरफ़ से
उठता है धूल का बवंडर
और इस महान पुराने शहर की जीभ किरकिराने लगती है
जो है वह सुगबुगाता है
जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
पाता है घाट का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब सी नमी है
और एक अजीब सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन

(i) काव्यांश में बनारस शहर के किस परिवेश का चित्रण हुआ है ?

(A) आध्यात्मिक व सामाजिक
(B) आध्यात्मिक व सांस्कृतिक
(C) सामाजिक व दार्शनिक
(D) दार्शनिक व आधुनिक

(ii) 'दशाश्वमेध घाट का आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है' – पंक्ति का भाव है :

(A) पाषाण हृदय व्यक्ति के व्यवहार में भी सहजता आ गई है ।
(B) लोगों के आने-जाने से पत्थर चिकना हो गया है ।
(C) गंगा-जल के बार-बार स्पर्श से पत्थर की कठोरता कम हो गई है ।
(D) लोगों के पैरों के स्पर्श से पत्थर कुछ मुलायम हो गया है ।

(iii) 'जो है वह सुगबुगाता है' पंक्ति के संदर्भ में 'सुगबुगाना' का आशय है :

(A) तीव्र गति से आग का भड़कना
(B) भीतर ही भीतर क्रोध में जलना
(C) धीमी गति से आग का जलना
(D) चेतना का संचार होना

(iv) घाट पर बैठे किनकी आँखों में अजीब सी नमी है ?

(A) बंदरों की
(B) भिखारियों की
(C) स्नानार्थियों की
(D) पुजारियों की

(v) 'कटोरों का खालीपन' किस चमक से भर उठता है ?

(A) वसंत के आगमन से
(B) श्रद्धालुओं के आगमन से
(C) भिक्षा मिलने की उम्मीद से
(D) पूजा-पाठ की सामग्री से

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है । इसलिए यह इतना आकर्षक है । नाम है कि हज़ारों वर्ष से जीता चला आ रहा है । कितने नाम आए और गए । दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए । मगर कुटज है कि संस्कृत की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है । और रूप की तो बात ही क्या है ! बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है । और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है । कितनी कठिन जीवनी-शक्ति है ! प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है ।

(i) कुटज के आकर्षक होने का प्रमुख कारण है :

(A) उसका नाम (B) उसका रूप-सौंदर्य

(C) उसकी मादक शोभा (D) उसकी जिजीविषा

(ii) कुटज हरा-भरा बना हुआ है :

(A) वायुमंडल से रस प्राप्त कर

(B) चट्टानों की छाती से रस खींचकर

(C) आकाश से बरसने वाली जलराशि प्राप्त कर

(D) पर्वतों पर बहने वाली नदियों से जल प्राप्त कर

(iii) कुटज के आसपास की परिस्थितियों के विषय में क्या असत्य है ?

(A) जीवन को पुलकित करने वाली परिस्थितियाँ हैं ।

(B) झुलसाती धूप तथा धधकती लू के तेज झोंके हैं ।

(C) दूर-दूर तक निःशब्द सन्नाटा पसरा हुआ है ।

(D) नीचे न प्राणदायी मिट्टी है, न खाद और पानी है ।

(iv) 'जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है ।' – पंक्ति का आशय है :

(A) संघर्ष-शक्ति ही मनुष्य को जीवनी-शक्ति प्रदान करती है ।

(B) जीने की इच्छा ही मनुष्य को भयभीत न होने की शक्ति प्रदान करती है ।

(C) जीने की इच्छा ही मनुष्य को संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करती है ।

(D) जीवन शक्ति ही मनुष्य को मृत्यु से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है ।

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए और सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : गर्मी से जलती, तपती चट्टानों के बीच भी कुटज प्रसन्नतापूर्वक जी रहा है ।

कारण : उसने संघर्ष किया और जीवन के कुरुक्षेत्र से विजयी होकर निकला ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कारण ग़लत है, किंतु कथन सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5×1=5*

(क) जब अंतरिक्ष में भवन बन जाएँगे

(ख) दैनिक जीवन में मशीनों का बढ़ता उपयोग

(ग) बाज़ारों का बदलता स्वरूप

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) फ़ीचर को किसी बैठक या सभा के कार्यवाही-विवरण की तरह क्यों नहीं लिखा जाना चाहिए ?

(ख) नयी पीढ़ी के लिए इंटरनेट एक आदत-सी बनती जा रही है, क्यों ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) कहानी के संदर्भ में लिखिए कि द्वंद्व से क्या अभिप्राय है ? यह कहानी का महत्त्वपूर्ण तत्त्व क्यों है ?

(ख) क्या कविता लेखन की कला को प्रशिक्षण द्वारा सिखाया जा सकता है ? इस विषय में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'नाटक का मात्र एक मौन, अंधकार या ध्वनि प्रभाव, कहानी या उपन्यास के बीस-पच्चीस पृष्ठों की बराबरी कर सकता है ।' इस कथन को सिद्ध कीजिए ।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'सरोज स्मृति' गीत के आधार पर लिखिए कि सरोज का विवाह पारंपरिक विवाहों से किस प्रकार भिन्न था ।

(ख) 'तोड़ो' कविता का कवि विध्वंस के लिए नहीं उकसाता, सृजन की प्रेरणा देता है, सिद्ध कीजिए ।

(ग) विद्यापति की नायिका प्रेम में पूर्ण तृप्ति का अनुभव क्यों नहीं कर पाती ?

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग-संचय,
यह गोरस-जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय,
यह अंकुर-फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय,
यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत: इसको भी शक्ति को दे दो ।
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।

अथवा

(ख) रैनि अकेलि साथ नहिं सखी ।
कैसें जिऔं बिछोही पँखी ।।
बिरह सचान भँवै तन चाँड़ा ।
जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा ।।
रकत ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख ।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ।।

12. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है । घड़ी समय बतलाती है । किसी घड़ी देखना जाननेवाले से समय पूछ लो और काम चला लो । यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्ज़े गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ़ करके फिर लगा लें – यह तुमसे नहीं होगा । तुम उसके अधिकारी नहीं । यह तो वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्ज़े जानें, तुम्हें इससे क्या ?

अथवा

(ख) भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम्स और संग्रहालयों में जमा नहीं थी – वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती, उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें – उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे । अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था । यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का है – भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता है ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) आज एक जगह से दूसरी जगह संवाद/संदेश भेजने के लिए अनेक डिजिटल उपकरण उपलब्ध हैं, ऐसे में संवदिया की उपयोगिता पर अपने विचार लिखिए ।

(ख) 'शेर' कहानी के आधार पर शेर के मुँह और रोज़गार के दफ़्तर के बीच की समानता और भिन्नता को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी में लेखक ने मंसा देवी के मंदिर के पास होने वाले किस व्यापार का उल्लेख किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *3*

(क) 'अपना मालवा-खाऊ...' पाठ से उद्धृत 'अपने नदी, नाले, तालाब सँभाल के रखो तो दुष्काल का साल मज़े में निकल जाता है ।' कथन के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है और क्यों ?

अथवा

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने स्वयं देखे-भोगे यथार्थ को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ प्रस्तुत किया है । सिद्ध कीजिए ।

अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, **2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/3/1--3)**

Series S3QRP/3

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।

7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। ● उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।

17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/3/1, 2, 3

अंक-योजना

हिन्दी (ऐच्छिक)

Series S3QRP/3

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/3/1 प्रश्न सं.	29/3/2 प्रश्न सं.	29/3/3 प्रश्न सं.		
1	1	2	1	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) कृषि क्षेत्र और कृत्रिम बौद्धिकता (ii) (A) कृषि योग्य भूमि की कमी के कारण (iii) (C) कृषि क्षेत्र में अधिक रचनात्मकता और कुशलता अर्जित करना (iv) (D) मिट्टी का उपजाऊपन (v) (B) कृषि संबंधी विशाल संसाधनों के कारण (vi) (D) फल-सब्जियाँ (vii) (B) कृषि क्षेत्र में ए. आई. तकनीक का प्रयोग (viii) (A) कृषि क्षेत्र में होने वाली कम आय के कारण (ix) (A) कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त कृषि बॉट्स की मदद से (x) (D) कथन (I) और (III) सही हैं ।	**10x1 =10**
2	2	1	2	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) पृथ्वी के जीव-जंतुओं को (ii) (D) सूर्य द्वारा अपना स्वर्णिम प्रकाश आकाश में फैला कालिमा को दूर करना (iii) (C) जीवन रूपी मार्ग पर बढ़ने वाले यात्री को (iv) (A) अनेक बहुमूल्य रत्नों को धारण करना	**8 x 1=8**

				(v) (C) फलवती किया (vi) (B) तुमसे है कौन बड़ा, गगन-सिंधु मित्र बने (vii) (D) रचनात्मकता (viii) (C) रूढ़िवादी रीतिरिवाज	
3	**3**	**4**	**6**	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) संपादक के नाम पत्र (ii) (C) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii) (iii) (D) साहित्यिक लेखन में (iv) (D) संपादक और उसकी टीम (v) (A) समाचार-पत्र /पत्रिका	**5 x 1=5**
4	**4**	**5**	**5**	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) आध्यात्मिक व सांस्कृतिक (ii) (A) पाषाण हृदय व्यक्ति के व्यवहार में भी सहजता आ गई है । (iii) (D) चेतना का संचार होना (iv) (A) बंदरों की (v) (C) भिक्षा मिलने की उम्मीद से	**5 x 1=5**
5	**5**	**6**	**4**	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) उसकी जिजीविषा (ii) (B) चट्टानों की छाती से रस खींचकर (iii) (A) जीवन को पुलकित करने वाली परिस्थितियाँ हैं । (iv) (C) जीने की इच्छा ही मनुष्य को संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करती है। (v) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**5 x 1=5**
6	**6**	**3**	**3**	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) सूरदास के मन में राख के ढेर में पैसों की पोटली दबी होने के (ii) (D) पैसे कमाने के लिए परिश्रम नहीं किया था । (iii) (A) कर्मठता (29/3/1) (B) कम तौलना (29/3/2) { (A) अपराध बोध (29/3/3) (D) संवेदनशीलता (29/3/3) } (29/3/3 हेतु उपर्युक्त दो में से कोई एक विकल्प स्वीकार्य)	**7 x 1=7**

				(iv) (A) वे दूध कटहा हो गए थे । (v) (D) माँ द्वारा कराए गए दुग्ध-पान से (vi) (D) भरपूर फसल होने से त्योहार खुशी से मनाओ । (vii) (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।	
7	**7**	**7**	**7**	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**9**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (1+2) • कहानी की विभिन्न परिस्थितियों में मन-मस्तिष्क में उठने वाला वैचारिक मंथन, दो पात्रों का आपसी मतभेद, किसी काम में आने वाली बाधा ही द्वंद्व **महत्त्व** • द्वंद्व द्वारा कथानक को गति प्रदान करना • द्वंद्व के कारण कहानी में रोचकता • द्वंद्व के बिंदु जितने स्पष्ट, कहानी उतनी ही सफल (ख)• पहला मत –कविकर्म जन्मजात प्रतिभा, किसी नियम, सिद्धांत या प्रशिक्षण द्वारा कविता लेखन सिखाना संभव नहीं क्योंकि कविता का संबंध अनुभूतिजन्य अभिव्यक्ति से • दूसरा मत – अन्य कलाओं की भाँति कविता लेखन की कला हेतु शब्दों का चयन, उनका गठन, भावानुसार लयात्मक अनुशासन प्रशिक्षण द्वारा निखारना संभव (ग)• नाटक कहानी या उपन्यास की तरह वर्णित विधा नहीं • नाटक में मौन, संक्षिप्त और सांकेतिक भाषा का महत्त्व • वर्णित भाषा से अधिक मौन में व्यंजनात्मकता व क्रियात्मकता अधिक	**2 x 3=6**
9	**9**	**8**	**8**	**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --**	**2 x 3=6**

				(क)● फ़ीचर एक आत्मनिष्ठ, सृजनात्मक, सुव्यवस्थित लेखन जो शिक्षित करने, सूचना देने और मनोरंजन करने का काम करता है जबकि कार्यवाही-विवरण किसी बैठक की कार्यवाही का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करता है। ● फीचर कार्यवाही-विवरण की तरह तथ्य प्रधान नहीं ● फीचर का कोई निश्चित प्रारूप नहीं जबकि कार्यवाही-विवरण का निश्चित प्रारूप (ख)● सूचना, मनोरंजन, ज्ञान, व्यक्तिगत और सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान का माध्यम होने के कारण ● चंद मिनटों में विश्वव्यापी संजाल के भीतर से अपनी आवश्यकता की सामग्री उपलब्ध कराने के कारण बढ़ती निर्भरता ● दुनियाभर की चर्चा-परिचर्चा में शामिल हो सकने की क्षमता के कारण	
10	**10**	**10**		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)● मातृविहीन कन्या शकुंतला का पालन-पोषण एवम विवाह ऋषि कण्व द्वारा संपन्न करना ● उसी प्रकार मातृविहीन सरोज का पिता द्वारा विवाह आदि रस्मों का निभाया जाना (ख)● मन के भीतर की ऊब (उकताहट), खीझ (झुंझलाहट) सृजन में बाधक ● कवि सृजन का आकांक्षी इसलिए कवि द्वारा ऊब और खीझ को तोड़ने की बात करना (ग)● राधा की विरह व्यथा का और अधिक तीव्र हो जाना ● प्राकृतिक उपादानों (फूलों का वन, कोयल और भँवरों)को देखकर अपनी आँखें और कान बंद कर लेना (क)● अत्यंत सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न ● पारंपरिक विवाहों की तरह आत्मीय और स्वजनों को आमंत्रित नहीं किया जाना ● विवाह-गीत भी न गाये जाना ● माँ द्वारा संपन्न किए जाने वाले मांगलिक कार्य पिता द्वारा किए जाना (ख)● कवि सृजन का अभिलाषी, तोड़ना सृजन के लिए आवश्यक	**2 x 2=4**

			10	• सृजन हेतु भूमि को तैयार करने के लिए चट्टानें (सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ), ऊसर और बंजर (मन की ऊब और खीझ) को तोड़ने का आह्वान • विकास के लिए सृजन आवश्यक (ग)• प्रेम ब्रह्म आनंद के समान • प्रेम में तृप्ति संभव नहीं • प्रेम में अनुभूति और सम्पूर्णता की अभिलाषा • प्रेम मूर्त नहीं अमूर्त, जिसमें क्षण-प्रतिक्षण नवीनता की अनुभूति (क)• पुत्री सरोज के रंग-रूप में पत्नी से साम्य • अपने विवाह के समय जो रूप-सौन्दर्य उनकी पत्नी का था वही सरोज में परिलक्षित होना (ख)• सृजन हेतु भूमि को तैयार करने के लिए चट्टानें (सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ), ऊसर और बंजर (मन की ऊब और खीझ) को तोड़ने का आह्वान • कवि सृजन का अभिलाषी, तोड़ना सृजन के लिए आवश्यक • विकास के लिए सृजन आवश्यक (ग)• प्रेम ब्रह्म आनंद के समान • प्रेम में प्रतिक्षण मिलने की उत्कट चाह के कारण नेत्रों की तृप्ति संभव नहीं • प्रेम में अनुभूति और सम्पूर्णता की अभिलाषा • प्रेम मूर्त नहीं अमूर्त, जिसमें क्षण-प्रतिक्षण नवीनता की अनुभूति	
11	**11**	**11**	**11**	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – यह दीप अकेला **अथवा** कवि—मलिक मुहम्मद जायसी कविता – बारहमासा	**6**
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• बड़े भैया की मृत्यु के बाद छोटे भाइयों द्वारा संपत्ति का बँटवारा	**2 x 2=4**

				• बड़ी बहुरिया के शरीर पर धारण किए जाने वाले आभूषणों के साथ-साथ बनारसी साड़ी तक के भी टुकड़े-टुकड़े करके बँटवारा	
				(ख)• सींग निकलना – व्यवस्था से अलग रहना, बनी बनाई लीक से अलग सोचना और चलना • लेखक अपने समाज की व्यवस्था से दु:खी था क्योंकि वहाँ केवल स्वार्थ का बोलबाला • सत्ताधारी वर्ग द्वारा पहुँचाए जाने वाले नुकसान से स्वयं को बचाने के लिए	
				(ग) • जो खर्च अपने और अपनों की मंगलकामना के लिए किए जाते हैं वे कष्टदायी न लगना • हर की पौड़ी पर आने वाले भक्त भी अपने और अपनों की मंगल-कामना के लिए वहाँ पूजा-अर्चना और चढ़ावे के रूप में धन खर्च कर रहे थे इसलिए उन्हें कोई मलाल न होना • ईश्वर के प्रति आस्था और श्रद्धा भाव के कारण किये गए खर्च सुखद	
		13		(क) • मुक्त उत्तर (छात्रों द्वारा तर्कपूर्ण दिए उत्तर स्वीकार्य)	
				(ख) **समानता** • शेर का मुँह और रोजगार का दफ्तर दोनों ही लोगों को सुंदर, सुखद भविष्य का आश्वासन देता है। **भिन्नता** • शेर के मुँह में जाने पर अस्तित्व समाप्त रोजगार के दफ्तर से वापस लौटकर आने की सुविधा	
				(ग)• मंसादेवी के प्रकोष्ठ और बाहर पूजा की सामग्री, खान-पान की सामग्री, प्रसाद की थैलियाँ, रंगबिरंगी बिंदियाँ • रुद्राक्ष की मालाएँ (असली) नकली साबित करने वाले को पाँच सौ इनाम • जलेबी, पूरी, कचौड़ी की दुकान	
			12	(क) **पक्ष** • बड़ी बहुरिया को गाँव की मान-मर्यादा से जोड़कर देखना • बड़ी बहुरिया के गाँव से चले जाने पर अपने गाँव की बदनामी का भय	

				• बड़ी बहुरिया के प्रति कुछ न कर पाने की विवशता का अपराध बोध • बड़ी बहुरिया के दुःख से समानुभूति **विपक्ष** • संवदिया के रूप में उसे बड़ी बहुरिया का संवाद उसकी माँ को सुनाना चाहिए था। • बड़ी बहुरिया की देखभाल का निर्णय जो बाद में लिया, वह पहले ही लिया जाना चाहिए था। (विद्यार्थी पक्ष अथवा विपक्ष में लिखने के लिए स्वतन्त्र हैं।) (ख) • छद्म प्रगति और विकास के बहाने राजा का उत्पादन के सभी साधनों पर अपनी पकड़ मजबूत बनाना • जनता को एकजुट होने से रोकना, उन्हें भुलावे में रखना • राजा को निरंकुश बने रहने के लिए बहरी, गूँगी और अंधी प्रजा पसंद (ग) • हर की पौड़ी पर गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के चेहरे पर आध्यात्मिक सुख की अनुभूति का भाव • वहाँ श्रद्धालुओं द्वारा पर्यटन की दृष्टि से, मनोरंजन की दृष्टि से नहीं बल्कि मनोकामना की पूर्ति / मोक्ष प्राप्ति/आस्था-श्रद्धाभाव हेतु गंगा में डुबकी लगाना	
13	**13**	**12**		**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ, लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (ढ़ेले चुन लो) लेखक – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी (क) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्जे) लेखक – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी **अथवा**	**6**

				(ख) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा	
			13	(क) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्जे) लेखक – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी	
14	**14**			**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) (1+2) • देश के अन्य भागों की स्थिति भी मालवा से अलग नहीं • कहीं अनावृष्टि, कहीं अतिवृष्टि • बारिश के चक्र का बिगड़ना **कारण** • औद्योगीकरण के दुष्प्रभाव • वन्य प्रदेश का कटाव • जलवायु-परिवर्तन **अथवा** (ख)• फूल औषधीय गुणों से भी परिपूर्ण • फूलों का ही फल-सब्जियों में परिवर्तित होकर खाद्य-सामग्री प्रदान करना • फूलों का प्रसाधन-सामग्री के रूप में प्रयोग	**3**
		14		(क) (1+2) • वर्षा-जल का संचयन **क्यों** • जल-संरक्षण से पानी संबंधी समस्या से भविष्य सुरक्षित • पानी की विश्वव्यापी समस्या से आम आदमी को जल-संचयन और संरक्षण का संदेश देकर जागरूक करना **अथवा** (ख)• स्वयं के भोगे यथार्थ में माँ, गाँव और आसपास के प्राकृतिक परिवेश का वर्णन • अकाल के समय प्राकृतिक संपदा के रूप में खाई जाने वाली कमल-ककड़ी, बाढ़ से बदहाल गाँव की तकलीफें, विभिन्न प्रकार के साँप-बिच्छुओं, औषधीय वनस्पतियों का उल्लेख	

				• वर्षा होने के सौन्दर्य, वर्षा के बाद के नैसर्गिक सौन्दर्य की प्रस्तुति • विभिन्न प्रकार के फूलों, चाँदनी रात के सौन्दर्य की प्राकृतिक सुषमा का भी वर्णन	
			14	(क)• विकासशील देशों का अमेरिका की खाऊ-उजाड़ू जीवन-पद्धति से प्रभावित हो उसे अपनाना • औद्योगिक सभ्यता को बढ़ावा • प्रकृति का मनमाना दोहन • प्रकृति और मनुष्य के बीच का संतुलन बिगड़ना • धरती का तापमान बढ़ना • प्राकृतिक संसाधनों की कमी **अथवा** (ख) (1+2) • उस औरत की याद आना जिसे वह दस वर्ष की अवस्था में अपने ही गाँव में मिले **क्यों** • नायिका की विरह-वेदना का मार्मिक वर्णन • ऐसा ही अकेलापन, इंतजार, आँखों की आर्द्रता बिसनाथ को अपने गाँव की औरत के जीवन में नजर आना • उसका कहा गया कथन – "जाइ देव बिसनाथ बाबू, उनसे तो हमार कब्बों ठीक से भेंटौ नाहीं भई।" लेखक के अवचेतन में बैठ जाना	